


---

# Uddhava! Smaraya Premavidhanam

——  
उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम्

——  
Document Information



---

Text title : Uddhava! Smaraya Premavidhanam

File name : uddhavasmArayapremavidhAnam.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : AchArya Dr. Jayamanta Mishra

Transliterated by : samskrit.samvadah at gmail.com

Proofread by : samskrit.samvadah at gmail.com

Latest update : March 31, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 31, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

# Uddhava! Smaraya Premavidhanam

---

## उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम्

---



उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ॥

प्रेमपथिक षड प्रियसुभजनकं तनुते प्रीतिवितानम् ।

उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ॥

अशिधारासंयलनं कठिनं तस्मात् कठिनतरम् ।

प्रेममार्गमनुसरन् तपस्वी तपति तपः प्रभरम् ।

उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ॥

विडसति शिशौ यथा तज्जननी विडसति कन्दति कन्दति ।

स्वपिति शयाने कीडति गायति पिबति पयः संश्रुवति ।

भादति भदति यलति संयरते तेन यथा संप्रवदति ।

प्रेमपथिकदृष्टयं तथैव सन्ततमनुभवति य कलयति ।

उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ॥

प्रेमास्पदसुभतः सुभित्वमिति प्रेमलक्षणं कुरुते ।

विस्मारं विस्मारं स्वसुभं स्वयं य सुसुभं लभते ।

उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ॥

अणिममडिमलघिमदिकसिद्धिं लज्जितमुज्जितसमवेताम् ।

तिरस्कृत्य मनुते प्रियसेवानीतिं लक्ष्यविशुद्धाम् ।

उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ॥

प्रजवल्लभ अेवं जानीते कुरुते ललति य लीलाम् ।

स्मरति तथापि स्मारयन् भ्रावय लीलापुरुषं लीलाम् ।

उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ।

उद्धव! स्मारय प्रेमविधानम् ॥

– आचार्य डॉ. जयमन्त मिश्र

*Uddhava! Smaraya Premavidhanam*  
pdf was typeset on March 31, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

